Punjab Kesari 25-4-26

एस.ई.एम. पर दो दिवसीय वर्कशॉप शुरू

चंडीगढ़, 24 अप्रैल (आशीष) : सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पी.जी. कॉमर्स एंड मैनेजमैंट विभाग की ओर से पी.एम. उषा योजना के अंतर्गत स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग पर आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज शुक्रवार को हुआ। वर्कशॉप के पहले दिन पंजाब यूनिवर्सिटी के इक्नॉमिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफैसर डॉ. नितिन अरोड़ा ने बतौर रिसोर्स पर्सन ने विषय को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिससे प्रतिभागियों को जटिल शोध तकनीकों को समझने में आसानी हुई। वर्कशॉप में ट्राईसिटी और आसपास के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए शोधार्थियों और फैकल्टी मेंबर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

Arth Parkash 25-4-26

शोध कौशल निखारने के लिए एसडी कॉलेज में एसईएम पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के पीजी कामर्स एंड मैनेजमेंट वि भाग की ओर से पीएम-उषा योजना के अंतर्गत स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (एसईएम) पर आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज़ शुक्रवार को हुआ। वर्कशॉप के पहले दिन पंजाब यूनिवर्सिटी के इक्नॉमिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नितिन अरोड़ा ने बतौर रिसोर्स पर्सन ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने विषय को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिससे प्रतिभागियों को जटिल शोध तकनीकों को समझने में आसानी हुई। वर्कशॉप में ट्राइसिटी और आसपास के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए शोधार्थियों और फैकल्टी मेंबर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने बहु-विषयक शोध में एसईएम के उपयोग, डेटा विश्लेषण और मॉडल निर्माण की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा।

कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने शोध-आधारित शैक्षणिक पहलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रकार की वर्कशॉप्स प्रतिभागियों की विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं, नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं और फैकल्टी मेंबर्स व शोधार्थियों को एडवांस्ड रिसर्च सिकल्स से सुसज्जित करती हैं, जो नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 की परिकल्पना के अनुरूप है। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पीजी कामर्स एंड मैनेजमेंट विभाग की डीन डॉ.मेरू सहगल ने गुणवत्तापूर्ण शोध के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोध की आवश्यकता है, जो नई शिक्षा नीति के दृष्टिकोण के साथ सामंजस्य स्थापित करता है।

इसके उपरांत विभाग की डीन डॉ. मेरू सहगल, डॉ.मोनिका सचदेवा (आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर), डॉ.. कपिल देव तथा असिसटेंट प्रोफेसर डॉ. यश पाल सिंह ने रिसोर्स पर्सन का पौधे देकर स्वागत किया।

Dainik Savera Times 25-4-26

शोध कौशल निखारने के लिए एसडी कॉलेज में एसईएम पर दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज़

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ़, 24 अप्रैल : जीजीडीएसडी कॉलेज सैक्टर 32 के पीजी कामर्स एंड मैनेजमेंट वि भाग की ओर से पीएम-उषा योजना के अंतर्गत स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग एसईएम पर आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज़ शुक्र वार को हुआ। वर्कशॉप के पहले दिन पंजाब यूनिवर्सिटी के इक्नॉमिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. नितिन अरोड़ा ने बतौर रिसोर्स पर्सन ने अपने विचार सांझा किए।

उन्होंने बिषय को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिससे प्रतिभागियों को जटिल शोध तकनीकों को समझने में आसानी हुई।

वर्कशॉप में ट्राइसिटी और आसपास के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए शोधार्थियों और फैकल्टी मेंबर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रतिभागियों ने बहु-विषयक शोध में एसईएम के उपयोग, डेटा विश्लेषण और मॉडल निर्माण की प्रक्रि याओं को विस्तार से समझा। कार्यक्र म की शुरु आत कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने शोध-आधारित शैक्षणिक पहलों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इस प्रकार की वर्कशॉप्स प्रतिभागियों की विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं, नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं और फैकल्टी मेंबर्स व शोधार्थियों को एडवांस्ड रिसर्च सकिल्स से सुसज्जित करती हैं, जो नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 की परिकल्पना के अनुरूप है।

वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले छात्राएं, फैकल्टी और प्रिंसिपल

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए पीजी कामर्स एंड मैनेजमेंट विभाग की डीन डॉ.मेरू सहगल ने गुणवत्तापूर्ण शोध के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान-आधारित समाज के निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शोध की आवश्यकता है, जो नई शिक्षा नीति के दृष्टिकोण के साथ सामंजस्य स्थापित करता है।

इसके उपरांत विभाग की डीन डॉ. मेरू सहगल, डॉ.मोनिका सचदेवा (आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर), डॉ.. कपिल देव तथा अस्सिटेंट प्रोफेसर डॉ. यश पाल सिंह ने रिसोर्स पर्सन का पौधे देकर स्वागत किया, जो संस्थान की सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस अवसर पर डॉ.राजीव बहल ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं संकाय और छात्रों की विश्लेषणात्मक तथा शोध क्षमताओं को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने विभाग की बहु-विषयक शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को भी दोहराया, जो एनईपी 2020 के अनुरूप है।

वर्कशॉप के उद्घाटन शैक्षणिक सत्र की शुरु आत स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (एसईएम) के सिद्धांत के विस्तृत परिचय के साथ हुई। इस दौरान प्रतिभागियों को एसईएम की वैचारिक आधारशिला, इसकी प्रमुख मान्यताओं तथा शैक्षणिक शोध में इसके विभिन्न अनुप्रयोगों से अवगत कराया गया।

इस सत्र ने विभिन्न चर (वेरिएबल्स) के बीच जटिल संबंधों को समझने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान किया। दूसरे सत्र में एक्सप्लोरेटरी फैक्टर एनालिसिस और कन्फर्मेटरी फैक्टर एनालिसिस पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया।

Divya Himachal 25-4-26

शोध कौशल निखारने के लिए एसडी कालेज में वर्कशॉप

दिव्य हिमाचल ब्यूरो – चंडीगढ़

चंडीगढ़ केश सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज के पीजी कामर्स एंड मैनेजमेंट विभाग की ओर से पीएम उषा योजना के अंतर्गत स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग (एसईएम) पर आयोजित दो दिवसीय वर्कशॉप का आगाज शुक्रवार को हुआ। वर्कशॉप के पहले दिन पंजाब यूनिवर्सिटी के इक्नॉमिक्स विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. नितिन अरोड़ा ने बतौर रिसोर्स पर्सन ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने विषय को सरल और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया, जिससे प्रतिभागियों को जटिल शोध तकनीकों को समझने में आसानी हुई। वर्कशॉप में ट्राइसिटी और आसपास के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आए शोधार्थियों और फैकल्टी मेंबर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने बहु विषयक शोध में एसईएम के उपयोग, डेटा विश्लेषण और मॉडल निर्माण की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझा। कार्यक्रम की शुरुआत कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने शोध आधारित शैक्षणिक पहलों के महत्त्व पर कहा कि इस प्रकार की वर्कशॉप्स प्रतिभागियों की विश्लेषणात्मक क्षमता को बढ़ाती हैं, नवाचार को प्रोत्साहित करती हैं और फैकल्टी मेंबर्स व शोधार्थियों को एडवांस्ड रिसर्च सिकल्स से सुसज्जित करती हैं, जो नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 की परिकल्पना के अनुरूप है।